Central Water Commission
WSE Dte.,
****

West Block II, Wing No-4
R. K. Puram, New Delhi – 66.

Dated 25.4.2019

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings will be uploaded on the CWC website.

P Malhotra
25.4.2019
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

O/C

Deputy Director, WSE Dte. 25/4/2019

Director, WSE Dte. 2019

For information to

Chairman CWC, New Delhi

Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

News item/letter/article/editorial Published on 25.04.2019 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

मौसम : श्रीनगर में बारिश, शेष भारत में बढ़ेगी गर्मी, लू चलेगी, इस माह के अंत तक तापमान और बढ़ने के आसार

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छग में तेज आंधी का खतरा, तमिलनाडु में चक्रवात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देशभर में मौसम के अलग-अलग रूप देखने को मिल रहे हैं। कश्मीर में जहां बारिश हैं। वहीं राजस्थान मध्यप्रदेश में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में तेज आंधी और लू की आशंका जताई है। वही दक्षिणी राज्य तमिलनाडु भयानक चक्रवात की चेतावनी जारी की है।

पश्चिमोत्तर भारत के पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास के इलाके गर्म हवा की चपेट में रहेंगे। मौसम विभाग का कहना है कि इन इलाकों में लू के साथ ही धूल भरी आंधी भी चल सकती हैं। उत्तरी राज्यों में लगातार तापमान बढ़ता जा रहा है।

तमिलनाडु और पुडुचेरी में तूफान का खतरा

चेन्नई के मौसम विभाग ने अंदेशा जताते हुए कहा है कि 25 अप्रैल से बंगाल की खाड़ी में दक्षिण पश्चिम में हल्के दबाव बन सकता है। इसकी वजह से चक्र वात पैदा होगा और इसकी तीव्रता लगातार 27 अप्रैल तक बढ़ेगी। इस वजह से तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में 29 अप्रैल को भारी बारिश हो सकती है। ये तूफान 29 और 30 अप्रैल को मध्य और बंगाल की पूर्वोत्तर खाड़ी से सटे इलाकों में चलेगा। 1 मई को, यह अराकान तट के पास बांग्लादेश और म्यांमार के करीब पहुंचेगा। मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

कहीं तेज धूप...

झांसी : दो दिन से तेज गर्मी पड़ रही है। पारा 40 डिग्री पहुंच गया है।

कहीं बारिश...

श्रीनगर : दिनभर तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। दोपहर बाद बारिश हुई, जिससे लोगों को राहत मिली।

तो कहीं चक्रवात...

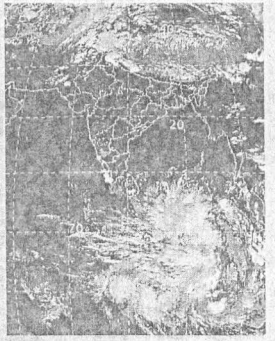

चक्रवात : तमिलनाडु, पुडुचेरी के तटीय इलाकों में 29 अप्रैल को भारी बारिश की आशंका।

दो दिन में कुछ यों होगा मौसम का मिजाज

उत्तर भारत में धूलभरी आंधी

मौसम विभाग के मुताबिक, इस माह के अंत तक तापमान में और ज्यादा इजाफा होने के आसार हैं। इसी के साथ मौसम विभाग का यह भी अनुमान है कि विलचिलाती धूप के साथ गर्मी में इजाफा होना जारी रहेगा। समूचे राजस्थान में लू चलने की आशंका है। वहीं लू से पश्चिम मध्यप्रदेश भी प्रभावित रहेगा। हरियाणा, छग, दिल्ली और पश्चिमी राजस्थान में धूलभरी आंधी चलने की आशंका है।

नवभारत टाइम्स

लोकसभा चुनाव: बूंद-बूंद पानी को तरसते बुंदेलखंड में 'जल सहेलियों' ने तैयार किया वॉटर मेनिफेस्टो

नवभारतटाइम्स.कॉम| Apr 24, 2019, 01.22 PM IST

जल घोषणापत्र लिए तारा और गीता

शेफाली श्रीवास्तव, झांसी

चढ़ते पारे के साथ चुनावी गर्मी भी बढ़ रही है और बुंदेलखंड में हर बार की तरह जल संकट गहराने लगा है। यहां के नलों में पानी अभी से सूखने लगा है और जल संसाधनों की कमी के चलते गांव के लोग कई किमी पैदल चलकर पानी ढोने को मजबूर हैं। सरकार और राजनीतिक दलों के पराए रवैये से नाराज लोगों ने खुद के स्तर पर प्रयास करने शुरू कर दिए है। इसी कोशिशों के चलते उन्होंने अपना वाटर मेनिफेस्टो तैयार किया है। इस मेनिफेस्टों में उन्होंने समस्याओं के साथ उसके समाधान भी बताए हैं। बुंदेलखंड की झांसी लोकसभा सीट पर 29 अप्रैल को चौथे चरण में मतदान है।

यूं तो चुनाव आते ही राजनीतिक दलों के प्रत्याशी अपने घोषणापत्र के वादे गिना-गिनाकर वोट मांगते हैं लेकिन झांसी जिले के बबीना ब्लॉक के तहत आने वाले मानपुर गांव में महिलाओं के 'जल सहेली' समूह ने अपना खुद का घोषणापत्र तैयार किया है। उनका कहना है कि जो भी राजनीतिक दल का प्रत्याशी उनसे वोट मांगने आएगा, वे सभी उसे घोषणापत्र दिखाएंगी और जब उनकी मांगें पूरी होने का आश्वासन मिलेगा तभी वोट दिया जाएगा।

नहर, तालाब और हैंडपंप की मांग

मेनिफेस्टो में उन्होंने जल संसाधनों के उचित रखरखाव और पानी के लिए अपर्याप्त बजट आवंटन का मुद्दा उठाया है। मेनिफेस्टों में उन्होंने तालाब पर अतिक्रमण, सूखे तालाब, गंदा पानी, पानी की कमी, जल संरक्षण का अभाव, गांव में हैंडपंप की कमी, जलस्तर में गिरावट, पीने योग्य पानी का अभाव, पाइपलाइन की कमी, पाइपलाइन टूटना, पानी की टंकी की कमी, मोटर की मरम्मत की व्यवस्था न होना, कुओं की घटती संख्या, नदियों का सूखना जैसी कई समस्याएं उठाई हैं। उन्होंने इसके समाधान भी दिए हैं।

कौन हैं जल सहेली?

इस जल घोषणापत्र को तैयार करने के लिए गांव की महिलाएं (जल सहेलियों) ने तीन महीने तक पड़ताल की। इस दौरान उन्होंने एक-एक समस्या का मुआयना किया, जल संसाधनों के लिए जगह की भी खोज की और तब जाकर घोषणापत्र तैयार किया। इसके 5 हजार प्रिंट निकालकर गांव में बांटे गए। जल सहेली बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं का समूह है जो एक गैर सरकारी संस्था से जुड़कर अपने प्रयासों से सूखा, जलसंकट और पलायन के लिए चर्चित बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने की कोशिश में हैं। झांसी जिले के थाना बबीना के अंदर आने वाले मध्य प्रदेश सीमा से सटे मानपुर गांव में ऐसी ही जल सहेलियां हैं-तारा, विद्या और गीता।

ये महिलाएं आज से कुछ वक्त पहले तक पानी के लिए जद्दोजहद करती थीं, इनका सारा समय पानी के जुगाड़ में निकल जाता था लेकिन आज ये महिलाएं सशक्त ग्रामीण महिलाओं की भूमिका में हैं जो अपने गांव की समस्या को ग्राम प्रधान से लेकर ग्राम सभाओं, डीएम और एसडीएम के सामने रख रही हैं। इन महिलाओं की ही बदौलत आज गांव में एक पानी की टंकी लग चुकी है।

'जो वोट मांगने आएगा, उसे दिखाएंगे घोषणापत्र'

गीता और तारा कहती हैं, 'जो भी उम्मीदवार हमसे वोट मांगने आएगा, हम उसे ये घोषणापत्र दिखाएंगे और कहेंगे कि हमारी मांगें पूरी करो तभी हम वोट करेंगे।' तारा बताती हैं, 'पहले हमें सड़क के उस पार पानी लेने जाना होता था। तीन-तीन बर्तन लेकर पानी भरने जाना होता था। कभी तबीयत खराब होने पर हम नहीं जा पाते तो हमको बहुत परेशानी होती थी।'

गीता के पति शोभा राम कहते हैं, 'बुंदेलखंड पहाड़ी क्षेत्र है। किसानों के लिए सिंचाई की अव्यवस्था है। पीने का पानी नहीं मिलता। बारिश कभी होती है, कभी नहीं होती।